सबसे न्यारा मेरा श्याम | By Chandra Mohan Garg

मेरा बाबा श्याम सारे जग से निराला है
खाटू वाला श्याम
मेरा बाबा श्याम सारे जग से निराला है
ये लागे सबसे न्यारा है
मेरा बाब श्याम.....

लटें है घुंघराली आँखें हैं कजरारी केरी का बाघा है
होंठों पे है लाली सूरत है मतवाली गले में माला है
इत्र की खुशबु से सारे भक्तों को महकाता है
ये जग से निराला है
मेरा बाबा श्याम .....

तीन बाणधारी लीले की असवारी वचन का पक्का है
ये कृष्णा अवतारी कलयुग का भवतारी हारे का साथी है
भजनो की सरिता में अपने भक्तों को नहलाता है
ये जग से निराला है
मेरा बाबा श्याम .....

बिना कहे ही ये फरियाद सुनता है ये ऐसा दाता है
भक्तों के कष्टों को ये भांप लेता है ये ऐसा स्वामी है
हम सबके जीवन पथ पर से काँटों को हटाता है
ये जग से निराला है
मेरा बाबा श्याम .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%ac%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-chandra-mohan-garg/